

अमली

झोप्फा झोप्फा अमली,
कोकवा कोकवा अमली ।
देखत म जी मुंह पंछाय,
चुहकथे भोकवा अमली ।

कविता: डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकन: नरेश निषाद



बाम्हन चिरई

बाम्हन चिरई भई बाम्हन चिरई,

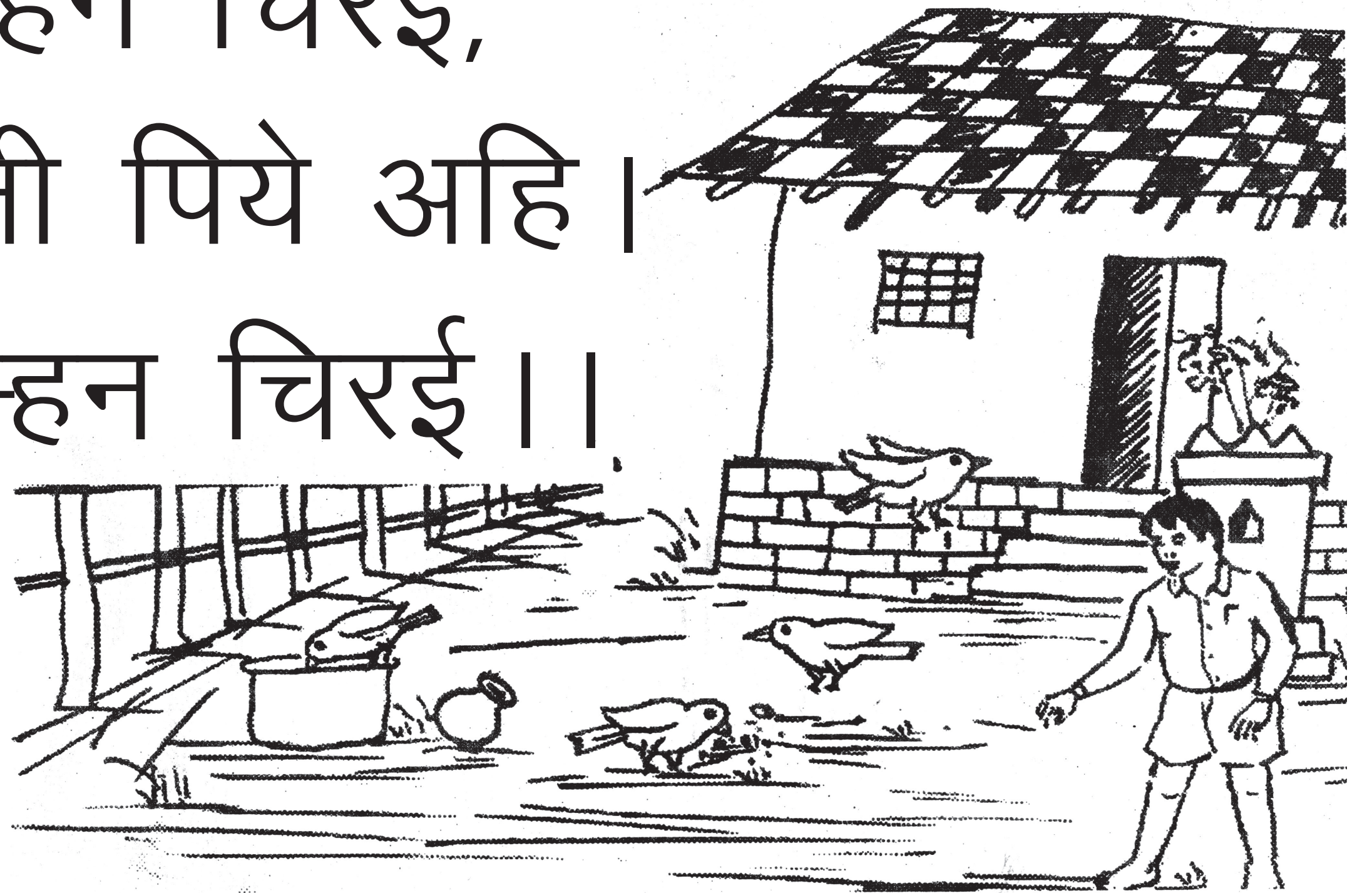
अंगना म फुदके बाम्हन चिरई ।

पुक कस उदके बाम्हन चिरई,

चारा चरय अऊ पानी पिये अहि ।

मनखे ल झुझके बाम्हन चिरई ।।

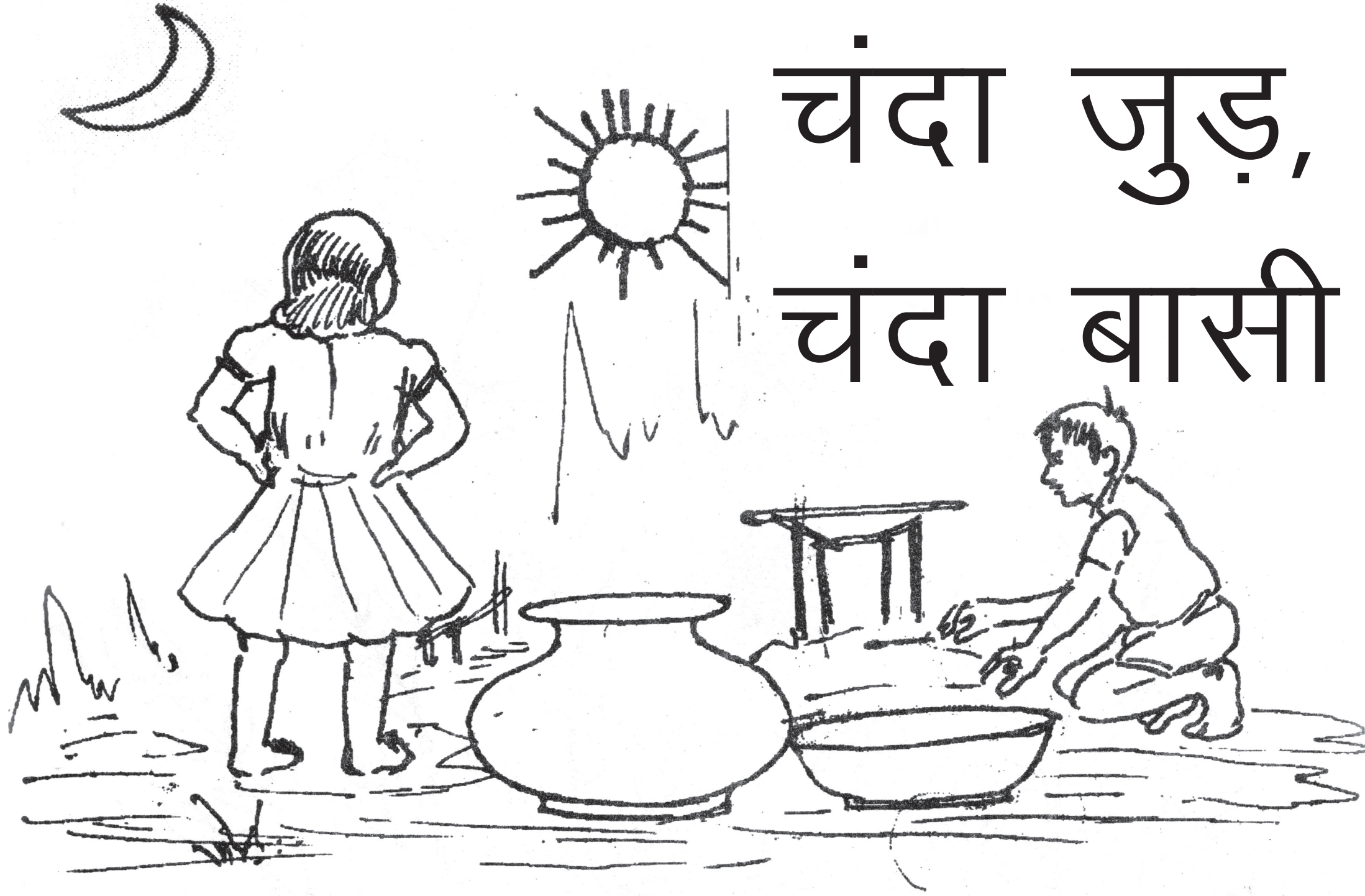
कविता: डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकन: नरेश निषाद



भाई-बहिनी

चंदा सुरुज भाई बहिनी,
ये हा आय जुन्ना कहानी ।

चंदा जुड़, सुरुज तात,
चंदा बासी सुरुज भात ।



कविता: डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकन: नरेश निषाद

चंदा चंदैनी

बादर ले चंदा झांकत हे,
चंदैनी मन हा हांसत हे ।

जुरमिल के राहव सबो,
हांस—हांस समझावत हे ।

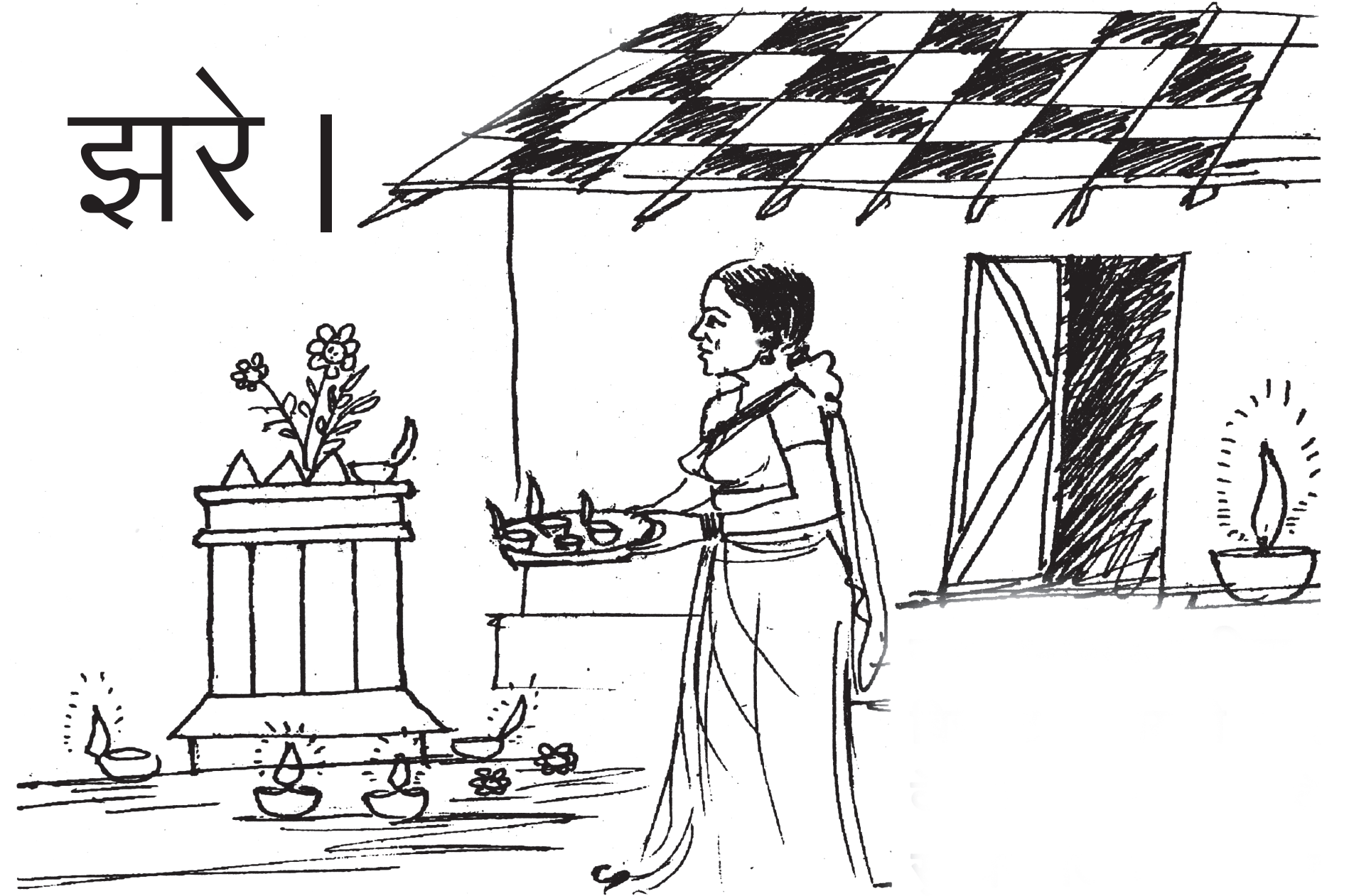
कविता: डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकन: नरेश निषाद



देवारी

जगमग—जगमग दिया बरे,
बिरबिट अंधियारी ल हरे ।
देवारी के बिरछा ले देखो,
सुध्घर अंजोरी के फूल झरे ।

कविता: डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकन: नरेश निषाद



डोंगा

पानी गिरिस लगगे चोंगा,
पार बंधागे लगगे पोंगा।
दादू—नानू गली—खोर म,
चलावथें, कागज़ के डोंगा।



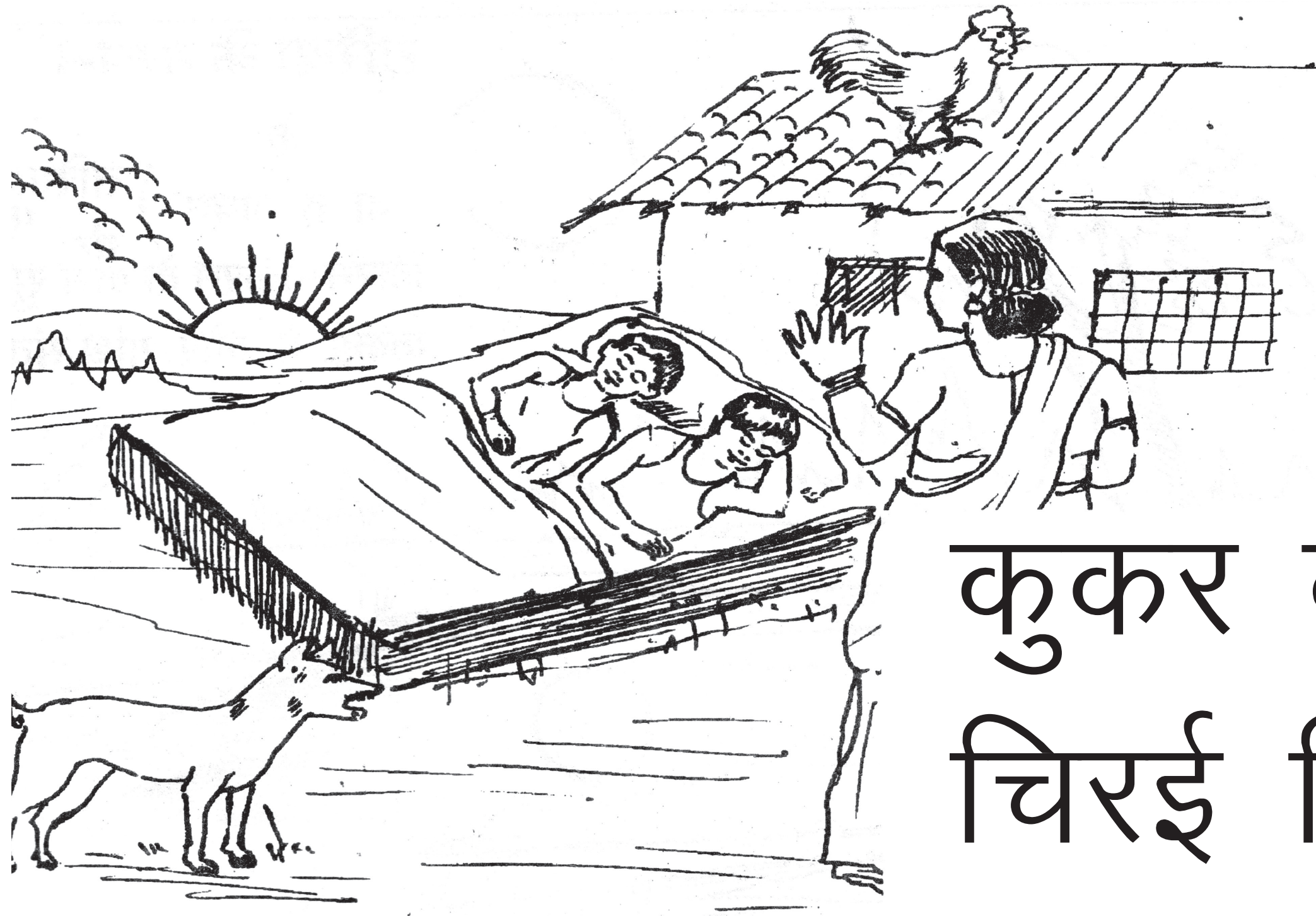
कविता: डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकन: नरेश निषाद

गाड़ी



गड़गड़ गड़गड़ भागे गाड़ी,
भड़भड़ भड़भड़ भागे गाड़ी ।
संगी संगवारी सब पछुवागे,
मोर सबले अगुवागे गाड़ी ।

कविता: डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकन: नरेश निषाद



होगे बिहान

कुकर बासे कुकरूस कूँ,
चिरई चिंहके चूँ—चूँ—चूँ।

कुकुर भूँके भूँ—भूँ—भूँ,
परेवा घुंटेरे घुटुर घूँ।

सुरुज उगे हगे बिहान,
उठ जा रे छोटकू—बडकू।

कविता: डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकन: नरेश निषाद